काशी गंगा
01 से 15 दिसंबर 2024

'वाकपटुता' की शक्ति ही साहित्य की ताकत

दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा के ऐतिहासिक दीक्षांत समारोह हॉल में गत माह आयोजित हुए 'भारतः साहित्य और मीडिया महोत्सव' में शेषाद्रिपुरम शिक्षण संस्थान,कर्नाटक के सचिव एवं कर्नाटक गांधी स्मारक निधि के अध्यक्ष डॉ. वुडेपी पी. कृष्णा ने महात्मा गांधी पर अत्यंत महत्वपूर्ण मंतव्य व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा के जिस सभागार में हुए एकत्रित हुए हैं यहां गांधीजी, बाबू राजेंद्र प्रसाद, आचार्य विनोबा भावे और कई अन्य राष्ट्रीय नेताओं ने अपने भाषण दिए हैं। इस प्रतिष्ठित मंच से 'गांधीजीः राष्ट्रीय एकता, साहित्य और भाषा' विषय पर बोलना अपने आप में किसी गौरव से कम नहीं है। डॉ. कृष्णा ने कहा कि साहित्य को समाज का दर्पण कहा जाता है। साहित्य और समाज अभिन्न हैं। 'शब्दों में वाकपटुता' ही साहित्य का सार है। इस 'शब्दों की वाकपटुता' की तीव्रता और व्यापकता स्वयं रचयिता की तीव्रता और व्यापकता के बराबर मानी जाती है। 'वाकपटुता' की शक्ति ही साहित्य की ताकत है। हमारे ब्रह्माण्ड को नियंत्रित करने वाली तीन शक्तियां हैं। पहली शक्ति विज्ञान है जो हमें रूप देता है। दूसरी शक्ति अध्यात्म है यह हमारे जीवन को आकार देता है। तीसरी शक्ति साहित्य है जो सम्पूर्ण विश्व का मार्गदर्शन करता है।

जब हम शांति की आकांक्षा करते हैं, तो हमें

चेन्नई की दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा के सभागार में विचार व्यक्त करते डॉ. वुडेपी पी. कृष्णा।

शांति मिलती है। जब हम उत्साह की आकांक्षा करते हैं, तो हमें उत्साह मिलता है। जब हम परिवर्तन की आकांक्षा करते हैं, तो हम परिवर्तन देखते हैं। भविष्य विज्ञान और अध्यात्म से संचालित होगा। साहित्य एक ऐसी जोड़ने वाली शक्ति के रूप में कार्य करेगा जो विज्ञान और अध्यात्म को जोड़ेगा। साहित्य की क्या भूमिका होगी? साहित्य एक थर्मामीटर की तरह काम करेगा जो बीमारी से अछूता रहेगा और बीमारी को ठीक करने में मदद करेगा। इसी बात को ध्यान में रखते हुए गांधीजी ने 1918 में दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की शुरुआत की थी। इतिहास बताता है कि 1857 में जिसे भारतीय स्वतंत्रता का पहला युद्ध कहा जाता है। क्रांतिकारियों को हराने के लिए अंग्रेजों ने दक्कन के राजाओं और महाराजाओं का सहारा लिया था। यह हमारे लिए गहन आत्मनिरीक्षण का विषय है कि एक क्षेत्र का सैनिक दूसरे क्षेत्र के सैनिक से कैसे लड़ सकता है।

स्वतंत्रता-पूर्व भारत में 1000 से ज्यादा भाषाएं बोली जाती थीं। स्वाभाविक है कि दक्षिण की सेना उत्तर की सेना से लड़ सकती थी। अंग्रेजों ने इस सांस्कृतिक कमजोरी का फायदा उठाया और उसके बाद लगभग 90 साल तक शासन किया। गांधीजी ने इस सांस्कृतिक अंतर को पहचाना जब उन्होंने 1915 में दक्षिण अफ्रीका से लौटने के बाद 'भारत यात्रा' की। इस ऐतिहासिक भूल को सुधारने के लिए गांधीजी ने 1918 में चेन्नई में दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की स्थापना की और अपने बेटे देवदास गांधी को भी दक्षिण भारत में रहने का निर्देश दिया। गांधीजी ने स्वतंत्रता-पूर्व के दिनों की भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से अपना संबंध तोड़ दिया लेकिन अपनी अंतिम सांस तक दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा के अध्यक्ष बने रहे। गांधीजी ने सैकड़ों प्रचारक बनाए और सुनिश्चित किया कि ये प्रचारक तमिल, कन्नड़, मलयालम और तेलुगु भाषी क्षेत्रों से आएं जो हिंदी का प्रचार-प्रसार करेंगे।

राजस्थान पत्रिका
बेंगलूरु, रविवार, 25 अगस्त, 2024

शिक्षित लोग भी हो रहे जातिवादी

धर्म और जाति के नाम पर बंट रहा समाज, बढ़ रही असमानता: मुख्यमंत्री

बेंगलूरु में शनिवार को आयोजित संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में भाग लेते मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या, मंत्री एच.के. पाटिल, गांधी स्मारक निधि, नई दिल्ली के सचिव डॉ. संजय सिंह, सचिव और अन्य।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बेंगलूरु. मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या ने धर्म और जाति के नाम पर समाज में बंटवारे के प्रति आगाह करते हुए कहा कि असमानता बढ़ रही है और दुःखद है कि शिक्षित लोग भी तेजी से जातिवादी होते जा रहे हैं।

यहां शनिवार को महात्मा गांधी स्मारक निधि के 75 वें वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में उन्होंने कहा कि जाति व्यवस्था के कारण बहुत से लोग शिक्षा से वंचित रह गए और उससे असमानता बढ़ी। यह दुःखद है कि शिक्षित लोग तेज़ी से जातिवादी बन रहे हैं। जाति के आधार पर असमानता को बढ़ावा देने वालों ने ही महात्मा गांधी की हत्या की। गांधी के विचार और समाज को दिए गए मार्गदर्शन 20 वीं सदी तक सीमित नहीं हैं। वे आज भी प्रासंगिक हैं। गांधी ने जीवन भर शांति, सत्य, न्याय और भाईचारे को बढ़ावा दिया। उनका मानना था कि अगर पूरी दुनिया एक-दूसरे से प्रेम करने का गुण अपना ले, तो पूरा समाज सुखी हो सकता है। उनका मानना था कि प्रकृति हमारी जरूरतों को पूरा करती है, हमारे लालच को नहीं। उन्होंने कहा कि समाज के गरीब तथा संपन्न लोगों के बीच दरारें बढ़ रही हैं। देश की 85 फीसदी संपत्ति केवल एक फीसदी लोगों के हाथों में है। संत बसवेश्वर ने जाति रहित समाज के निर्माण का सपना 12 वीं सदी में देखा था लेकिन आज भी उनका यह सपना साकार नहीं हुआ है।

मानवीय लालच जिम्मेदार

सिद्धरामय्या ने केरल के वायनाड और राज्य के अन्य हिस्सों में हो रही पर्यावरणीय आपदाओं के लिए मानवीय लालच को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि उचित वैज्ञानिक शिक्षा के अभाव में बहुत से शिक्षित लोग अंधविश्वास और कर्म सिद्धांत का पालन करते हैं। बारहवीं सदी के संत बसवण्णा और उनके अनुयायियों ने कर्म (भाग्य) के सिद्धांत को पूरी तरह से खारिज कर दिया था। मुख्यमंत्री ने दुख जताया कि आज के शिक्षित लोग अभी भी कर्म के सिद्धांत में विश्वास करते हैं। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि सरकार महात्मा गांधी की अध्यक्षता में बेलगावी कांग्रेस अधिवेशन की शताब्दी को सार्थक तरीके से मनाएगी। उन्होंने कहा कि गांधी के ग्राम स्वराज के सपने को पूरा करने की जरूरत है।

गांधी जयंती पर होगी शुरूआत

स्त्री शक्ति संघों को दी जाएगी वित्तीय सहायता

- राज्य सरकार प्रत्येक स्त्री शक्ति संघ को देगी डेढ़ लाख रुपए
- जीडीपी में महिलाओं का योगदान बढ़ाने के प्रयास

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बेंगलूरु. मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि स्त्री शक्ति संघों को वित्तीय सहायता प्रदान करने की योजना 2 अक्टूबर से शुरू करने का निर्णय किया गया है।

यहां बुधवार को राज्य स्तरीय स्वैच्छिक सेवा संगठनों के सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में हेलाओं का योगदान बढ़ाने के लिए यह निर्णय किया गया है कि प्रत्येक स्त्री शक्ति संघ को 1.5 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

उनकी वित्तीय जरूरतों को पूरा करने तथा उपकरण आदि खरीदने के लिए एक एंकर बैंक को जोड़ा गया है। स्त्री शक्ति संघ के उत्पादों के लिए बेहतर बाजार सुनिश्चत किया जाएगा। इसके लिए विपणन सुविधाएं मुहैया कराने और अमेजॉन जैसे ऑनलाइन मार्केटिंग प्लेटफॉर्म से जोड़ने के प्रयास चल रहे हैं।
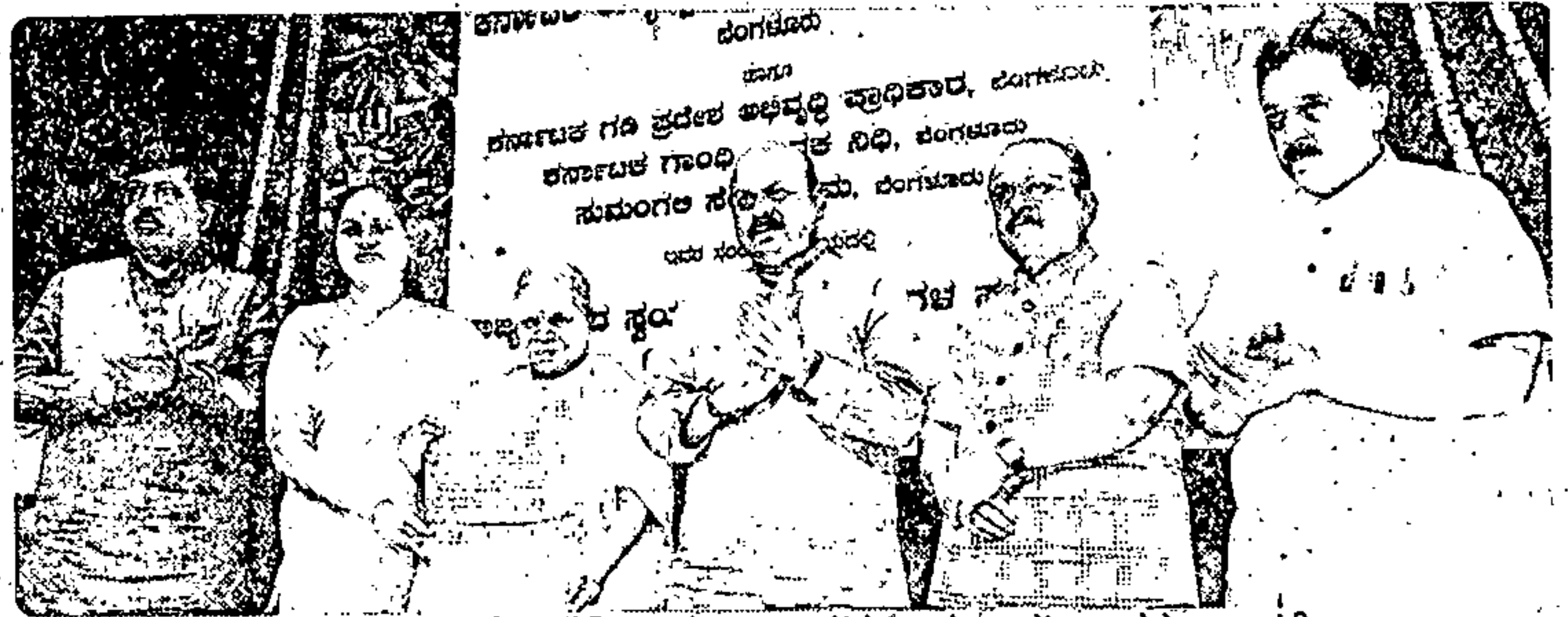
बेंगलूरु के गांधी भवन में राज्य स्तरीय स्वैच्छिक सेवा संगठनों के सम्मेलन में भाग लेते मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई। साथ में उद्योग मंत्री मुरुगेश निराणी, केंद्रीय राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे व अन्य।

जीडीपी में सिर्फ 30 प्रतिशत आबादी का योगदान

महिलाओं के सशक्तिकरण की आवश्यकता पर बल देते हुए बोम्मई ने कहा कि राज्य सरकार अंतरराष्ट्रीय बाजारों में स्त्री शक्ति उत्पादों को बढ़ावा देने की इच्छुक है। इससे राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। जीडीपी के मामले में राज्य तीसरे स्थान पर है और इसमें केवल 30 फीसदी आबादी का योगदान है। शेष 70 फीसदी आबादी निर्वाह के लिए मेहनत कर रहा है। इसे बदलने की जरूरत है। आर्थिक सहयोग देकर सरकार 70 फीसदी आबादी को जीडीपी में योगदान देने योग्य बनाया जाएगा।

देसी कारीगरों को प्रोत्साहन

उन्होंने कहा कि कृषि उत्पाद संगठनों के जरिए कृषि उत्पादों के मूल्यवर्धन और बेहतर मूल्य प्राप्त करने के प्रयास जारी हैं। इस योजना का विस्तार कारीगरों और मछुआरों तक भी किया जा रहा है। देशी कारीगरों को प्रोत्साहित करने के लिए उत्पाद आधारित माइक्रो क्लस्टर विकसित किए जाएंगे। जैसे चन्नपट्टण में खिलौने, इलकल, मोलकालमुरु, सिदलघट्टा में साड़ियों के क्लस्टर। उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि अपने कल्याण और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए राज्य और केंद्र सरकारों की विभिन्न योजनाओं का उपयोग करें।

राजस्थान पत्रिका

बेंगलूरु, रविवार, 03 अक्टूबर, 2021

सत्ता में रहने वालों को सच बोलना ही चुनौती

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बेंगलूरु. मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि सत्ता में रहने वालों को सच बोलना ही एक चुनौती है। उन्होंने शनिवार को बेंगलूरु के गांधी भवन में गांधी जयंती और गांधी पुरस्कार समारोह में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि सत्ता और राजनीति से संबंध रखने वालों का सच्चाई के साथ बहुत कम संबंध होता है। झूठ बोलने वाले बहुत हैं और झूठ बोल कर लोगों की तालियां सुनना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा कि गांधीजी हमेशा सच्चाई और अहिंसा पर कायम रहे। बोम्मई ने कहा कि पहले देश की आजादी के लिए प्राणों की आहुति दी जाती थी। अब ऐसा करने की जरूरत नहीं। केवल देश की भलाई के लिए जीना ही सच्ची देशभक्ति है। गांधीजी की कई बातें हमारी मागदर्शक हैं। हम अपनी जिम्मेदारियों को समझें तो गांधीजी का सम्मान करने के समान होगा।

गांधी भवनों का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा होगा

उन्होंने कहा कि प्रदेश में गांधी भवन के निर्माण कार्य शीघ्र पूरे होंगे। प्रदेश के 12 जिलों में गांधी भवन का निर्माण शुरू हुआ लेकिन सही समय पर अनुदान जारी नहीं होने से निर्माण कार्य रुक गए थे। बल्लारी और शिवमोग्गा में गांधी भवन का निर्माण पूरा हो चुका है और शीघ्र ही इनका उद्‌घाटन होगा। इस अवसर पर खान एवं भूविज्ञान मंत्री हालप्पा आचार, सांसद शिवकुमार उदासी, डॉ.एल.हनुमंतय्या, सेवा विवृत्त न्यायाधीश अशोक बी.हिंचतागेरी, गांधी स्मारक निधि अध्यक्ष पी.कृष्णा और अन्य जनप्रतिनिधि तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।
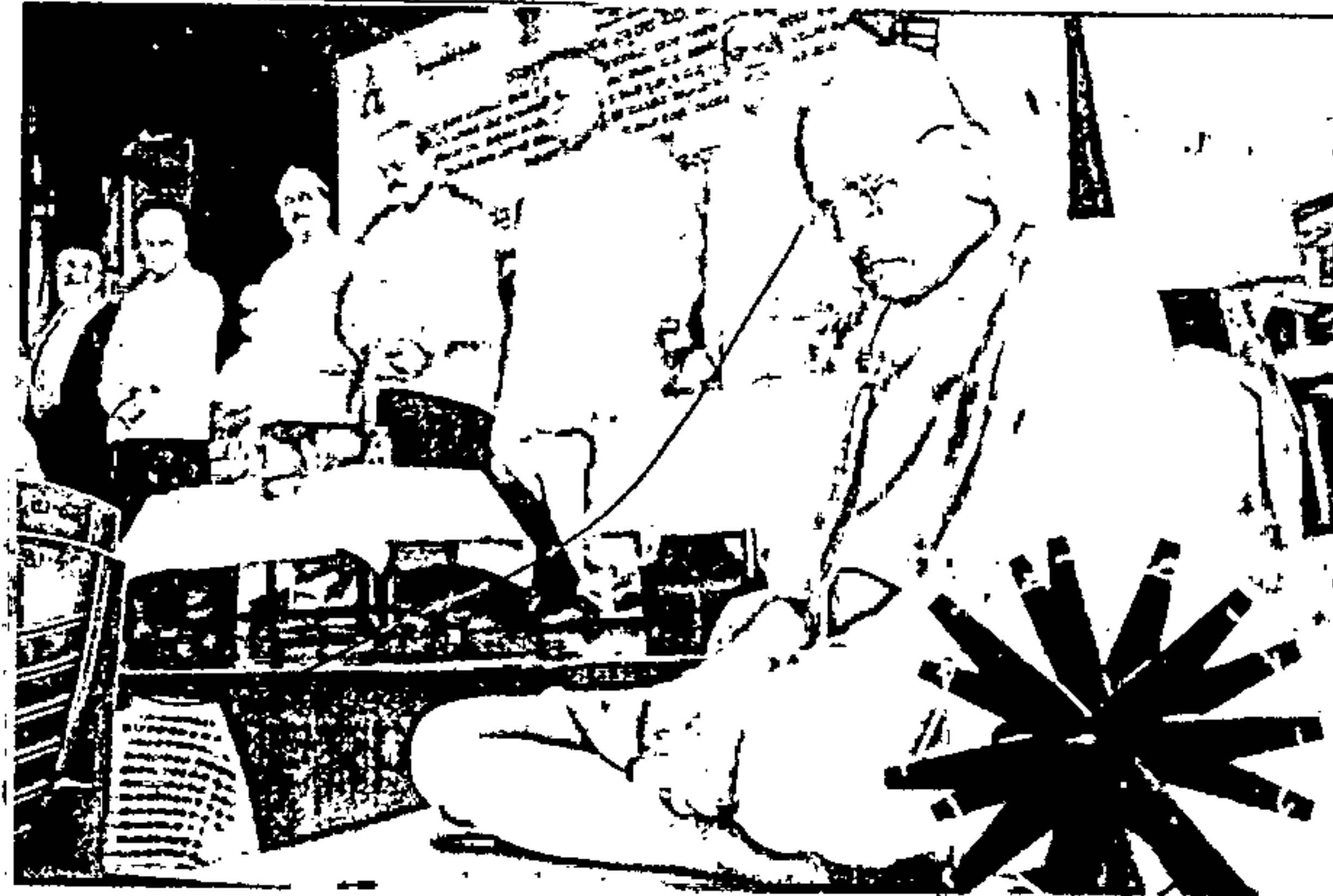
रोजगार सृजन पर महात्मा गांधी का मंत्र 21वीं सदी में भी प्रासंगिक

गांधी के विचारों को आत्मसात करने की लें शपथ

बेंगलूरु@पत्रिका. महात्मा गांधी के उपदेशों को अपने जीवन में उतारने की जरूरत पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि गांधी का रोजगार सृजन का मंत्र 21 वीं सदी में अधिक प्रासंगिक हो गया है।

उन्होंने यहां शनिवार को महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि वह सभी के लिए नौकरी चाहते थे और यह 21 वीं सदी के लिए बहुत प्रासंगिक है। गांधी को उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा 'हमें बड़े पैमाने पर उत्पादन की आवश्यकता नहीं बल्कि जनता द्वारा उत्पादन की आवश्यकता है।'

बोम्मई ने कहा कि अगर महात्मा गांधी के दर्शन पर चलते हैं तो एक बेहतर भविष्य सुनिश्चित कर पाएंगे। उन्होंने सत्य और अहिंसा के दम पर देश को आजादी दिलाई जिससे पूरी दुनिया वाकिफ है। इसलिए पूरी दुनिया उनका सम्मान करती है। गांधी जी के ग्राम विकास के विजन पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत को गांधी के 'ग्राम राज्य, राम राज्य' के सपने को साकार करने की जरूरत है। उनका सरल और बेदाग व्यक्तिगत सार्वजनिक जीवन की मार्गदर्शक शक्ति है। गांधी का राष्ट्रवादी विचार मानवीय था जिसे पूरे देश में मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि गांधी और शास्त्री में कई समानताएं थीं क्योंकि गांधी सत्य में विश्वास करते थे शास्त्री उसका अनुसरण करते थे। शास्त्री को याद करते हुए बोम्मई ने कहा कि वह सादा जीवन, उच्च विचार के प्रतीक थे।

उन्होंने सार्वजनिक जीवन जीने के उच्च मानक स्थापित किए। एक रेल दुर्घटना के बाद शास्त्री का इस्तीफा उनकी एक दुर्घटना के प्रति उनकी संवेदनशीलता को दर्शाता है। युद्ध और खाद्यान्न संकट के मद्देनजर उनका नारा 'जय जवान, जय किसान' अविस्मरणीय है। इन दो महान मानवतावादियों के जन्मदिन को सार्थक तरीके से मनाने की जरूरत है। इसे न केवल उत्सव के रूप में मनाया जाना चाहिए बल्कि उनके उपदेशों को आत्मसात करने की शपथ लेने की जरूरत है।

राजस्थान पत्रिका . बेंगलूरु, मंगलवार, 21 मई, 2019

महात्मा गांधी की विचारधारा अजर, अमर : दौरेस्वामी

बेंगलूरु. नाथूराम गोडसे ने महात्मा गांधी के शरीर की हत्या की है, लेकिन महात्मा गांधी के आदर्श तथा गांधीवाद अजर, अमर है। स्वतंत्रता सेनानी एचएस दौरेस्वामी ने यह बात कही। सोमवार को गांधी स्मारक निधि मुख्यालय के परिसर में 'सबको सन्मति दे भगवान' कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि देश के आम लोगों ने गांधी को 'महात्मा' पदवी दी है।

आज देश में इस महापुरुष के हत्यारे को देशभक्त बताकर उस व्यक्ति का महिमामंडन करते हुए राष्ट्रपिता को अपमानित किया जा रहा है। ऐसी ताकतों से हमें सचेत रहना होगा। उन्होंने कहा कि नाथूराम गोडसे के भाई गोपाल गोडसे की 'गांधी हत्या और मैं' नामक किताब में हत्या का समर्थन करते हुए महात्मा गांधी पर एक समुदाय विशेष का तुष्टिकरण करने का आरोप लगाया और उन्हें एक समुदाय का विरोधी बताया गया है। लेकिन यह वास्तविकता नहीं है। कोई भी व्यक्ति देश के इतिहास के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता है। हिंदुत्ववादी विनायक दामोदर सावरकर ने कारागार से रिहाई के लिए ब्रिटिश प्रशासन को दिए हलफनामे में माफी मांगी थी, वहीं भगत सिंह जैसे स्वतंत्रता सेनानी ने ब्रिटिशों के सामने झुकने से इनकार कर फांसी पाई थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के विकास तथा महात्मा गांधी के आदर्शों की सटीक जानकारी नहीं है।

[illegible] मोदी गांधीवाद को लेकर अवास्तविक तथा नर्गल बयानबाजी करते हैं। समारोह में गांधी स्मारक भवन के अध्यक्ष वूडी कृष्णा, नाटककार प्रसन्ना हेग्गोड, पूर्व महाधिवक्ता रवि वर्मा कुमार ने विचार रखे। कार्यक्रम से पहले अतिथियों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा के निकट मौन सत्याग्रह किया।

राष्ट्रिय-एकतादिनस्य प्रतिज्ञा

अहं सत्येन वचसा निष्ठया च प्रतिजाने यत् राष्ट्रस्य एकतायै अखण्डतायै सुरक्षायै च अहम् आत्मानं समर्पयितुम् एतं सन्देशं राष्ट्रस्य सर्वाः प्रजाः प्रति प्रापयितुं च यथाशक्ति प्रयते। देशस्य एकतायै सर्दार् वल्लभभाई पटेलवर्यस्य क्रियाशीलतां दूरदृष्टिं च मनसिकृत्य अस्माकं देशस्य आन्तरिकसुरक्षायै अपि बद्धोऽस्मि इति स्वयंप्रेरणया सङ्कल्पं करोमि।

॥भारतमाता जयतात्॥

राजस्थान पत्रिका
patrika.com
बेंगलूरु, बुधवार, 03 अक्टूबर, 2018

सीएम बोले : 16 जिलों में हो चुकी है भूमि चिह्नित

हर जिले में निर्मित होगा गांधी भवन

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

बेंगलूरु. मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा कि अगले 20 दिन में 30 जिलों में गांधी भवन निर्माण के लिए जमीन चिह्नित कर भवन निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। वे मंगलवार को यहां महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती पर गांधी भवन में छायाचित्र प्रदर्शनी व अन्य कार्यक्रमों का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि 16 जिला मुख्यालयों पर भूखंडों का पहले ही चयन कर लिया गया है। गांधी भवन के निर्माण के साथ ही अगले 365 दिनों तक युवा वर्ग को उत्तम मार्गदर्शन देने वाले कार्यक्रमों की रुपरेखा तैयार की जाएगी। उन्होंने बेंगलूरु विकास प्राधिकरण के आयुक्त को एक करोड़ रुपए के अनुदान से गांधी भवन की मरम्मत के निर्देश दिए।

गांधी व शास्त्री को श्रद्धांजलि अर्पित करते मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री।

गांधी के विचारों के प्रचार-प्रसार के लिए विशेष अभियान

बेंगलूरु. राज्य सूचना एवं प्रसारण विभाग महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर उनकी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाएगा। सूचना एवं प्रसारण विभाग के निदेशक विशुकुमार ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि विभाग सभी कॉलेजों को महात्मा गांधी की जीवनी पर आधारित 500 छायाचित्र युक्त सूचना पट्ट भेजेगा। हर कॉलेज में इन छायाचित्रों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने कर्नाटक के विभिन्न स्थानों का पांच बार दौरा किया था। मौजूदा चिक्कबल्लापुर जिले में स्थित नंदी पहाड़ी पर महात्मा गांधी ने 40 दिवस विश्राम किया था। उस यात्रा की स्मृति में वहां गांधी भवन बनाया गया है।

राजभवन में आयोजित समारोह में गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते राज्यपाल वजूभाई वाळा।

गांधी संदेश यात्रा को रवाना करते पूर्व मंत्री एचके पाटिल, रामचंद्र गौड़ा।

राजस्थान पत्रिका : बेंगलूरु, गुरुवार, 6 सितम्बर, 2018
patrika.com

बेंगलूरु के निम्हांस सभागार में बुधवार को शुरू हुए भारतीय तकनीक कांग्रेस के उद्घाटन सत्र को संबोधित करने के बाद स्वदेशी युद्धक विमान तेजस की प्रतिकृति का अवलोकन करते मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी।

राजस्थान पत्रिका . बेंगलूरु, सोमवार, 30 जुलाई, 2018
patrika.com

निःस्वार्थ जनसेवकों की संख्या में गिरावट चिंताजनक : पाटिल

एच.एस. दोरेस्वामी का 100 वां जन्म दिवस

बेंगलूरु. स्व हितों की चिंता छोडकर समाज हितों की चिंता करने वाले लोग दुर्लभ होते जा रहे है। ऐसे निस्वार्थ जनसेवकों की संख्या में गिरावट चिंताजनक है। केवल अपने सुख की चिंता करने की प्रवृत्ति के कारण अधिकतर लोग समाज से विमूख होते जा रहें है। पूर्व मंत्री एच.के.पाटिल ने यह बात कही।

शहर में रविवार को गांधी स्मृति भवन के सभागार में स्वतंत्रता सेनानी एच.एस.दोरेस्वामी के 100 वे जन्म दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में भाग लेते हुए उन्होंने कहा कि युवाशक्ति को देशहित तथा समाजहित के संस्कारों का सिंचन नहीं होने के कारण युवा वर्ग स्व केंद्रीत बनते जा रहा है। भौतिकता की चकाचौंध में आज ईमानदारी अप्रासंगिक होती जा रही है। नैतिक मूल्यों का ह्रास हो रहा है। जो समाज के नैतिक अधोपंतन का द्योतक है। युवाओं के सामने अब कोई आदर्श नहीं होने कारण युवा भ्रमित है। किसी भी समाज के लिए ऐसी स्थिति चिंतानजक है। ऐसी स्थिति में एच.एस.दोरेस्वामी जैसे सत्ता को ठुकरानेवाले नेता समाज के लिए अनुकरणीय है। दोरेस्वामी को तत्कालीन मुख्यमंत्री केंगल हनुमंतय्या ने विधान परिषद का सदस्य बनाने की पेशकश की, लेकिन सिद्धांतों के लिए प्रतिबद्ध दोरेस्वामी ने ठुकराया था।

दोरेस्वामी दंपती को गांधी स्मारक निधि संगठन की ओर से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व राज्यपाल रामा जोइस, पूर्व केंद्रीय मंत्री एम.वी. राजशेखरन, सी.के. जाफर शरीफ, विधायक ए.टी. रामस्वामी, पूर्व सांसद हनुमंतप्पा, एच. पी. नागराजय्या, गांधी स्मारक निधि के अध्यक्ष एच.पी. कृष्णा मौजूद थे।

सीएम ने बताई विवशता...

भ्रष्टाचार रोका तो मुझे ही सत्ता से हटा देंगे : कुमारस्वामी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

बेंगलूरु. मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने अपनी विवशताओं का बयान करते हुए कहा कि घातक कैंसर की तरह फैले भ्रष्टाचार को तत्काल खत्म करने की कोशिश करने पर उन्हें दो सेकंड में सत्ता से हटा दिया जाएगा।

स्वाधीनता सेनानियों व गांधीवादियों की तरफ से सोमवार को गांधी भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में कुमारस्वामी ने कहा कि विधानसौधा की तीसरी मंजिल पर बैठने वाले मंत्रियों के भ्रष्टाचार को तो रोका जा सकता है पर सिस्टम की गहराई तक जड़ें जमाकर बैठे भ्रष्टाचार को जड़ सहित उखाड़ने की कोशिश करने पर वह हमारे ही ऊपर गिर सकता है। इस पर कारगर तरीके से रोक लगाने में समय लगेगा। उन्होंने कहा कि वे खुद कोई भ्रष्टाचार नहीं करेंगे और उन्हें धन की भी आवश्यकता नहीं है। लेकिन जितने भी दिन वे सत्ता में रहेंगे तब तक किसानों व गरीबों की सेवा करने भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए प्रयास जारी रखेंगे।

कुमारस्वामी ने कहा कि हाल में श्रृंगेरी मठ के गुरु ने उनसे कहा था कि सरकार से हमें किसी सेवा की जरूरत नहीं है पर आम जन के जीवन में बाधक बने भ्रष्टाचार को पूरी तरह से खात्मा करें। गुरुवर को झूठा आश्वासन देने के बजाय उन्होंने वास्तविकता बता दी और कहा कि तीसरे फ्लोर पर भ्रष्टाचार के खात्मे के लिए अभी से जुट गए हैं लेकिन सरकार के स्तर पर इसका सम्पूर्ण खात्मा करने के लिए समय लगेगा। कुमारस्वामी ने कहा कि यदि उनको पूरा बहुमत मिला होता तो आवश्यक कानून बनाकर भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़े कदम उठाए जा सकते थे लेकिन आज की परिस्थितियों में यह संभव नहीं है।

कुमारस्वामी ने कहा कि तबादलों की प्रक्रिया से भ्रष्टाचार का जन्म होता है। वे इसका सारा सच जानते हैं और वे इस चुनौती को स्वीकार कर गांधी के सिद्धांतों पर चलकर भ्रष्टाचार को खत्म करने का प्रयास करेंगे। पिछली सरकार के छठें वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू करने से सरकारी खजाने पर 17 हजार करोड़ रुपए का अधिक भार पड़ा है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को सही रास्ते पर लाने के लिए वे अधिक समय नहीं लगाएंगे और साथ ही साथ जनसेवा भी करते जाएंगे। वादे के मुताबिक किसानों का ऋण माफ किया जाएगा और इससे राज्य के खजाने पर विपरीत असर नहीं पड़ने देंगे।

जनता दरबार फिलहाल स्थगित

वित्त विभाग का दायित्व संभाल रहे कुमारस्वामी के राज्य के नए बजट की तैयारियों में व्यस्त होने के कारण बेंगलूरु में होने वाला मुख्यमंत्री का जनता दरबार कार्यक्रम फिलहाल स्थगित रहेगा। मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों के मुताबिक सरकार के कामकाज संभालने के बाद कुमारस्वामी अब अधिकारियों व विभिन्न वर्गों से बजट प्रस्तावों पर चर्चा करेंगे, इसीलिए समयाभाव के कारण जनता दरबार स्थगित किया गया है। बजट जुलाई में पेश करने की तैयारी चल रही है।

DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु | मंगलवार | 03 - 10 - 2017

कर्नाटक में कांग्रेस काम की बात करती है : सिद्दरामैया

बेंगलूरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' पर निशाने साधते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने सोमवार को कहा कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार समाज के अंतिम पायदान के लोगों तक के लिए सामाजिक योजनाएं शुरू करने और उनके सफल क्रियान्वयन पर विश्वास करती है। राज्य की कांग्रेस सरकार को 'काम की बात' के क्रियान्वन और उसकी सफलता पर विश्वास है न कि 'मन की बात' पर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जन्मदिन पर दोनों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद बोलते हुए सिद्दरामैया ने कहा कि हमने जो कर्नाटक से वादा किया था, उसे पूरा किया है।

उन्होंने कहा कि हमारा ध्यान गरीबों पर है और उन्हें हमारी सरकार से सर्वाधिक मिला है। हमारे काम का मतलब गरीबों को राहत पहुंचाना है न कि सिर्फ 'मन की बात' करना। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय योजनाओं से कर्नाटक को बेहद कम सहयोग मिलने के बाद भी हमारी सरकार ने राज्य में जनता की भलाई के लिए कई योजनाएं शुरू कीं। यह सर्वत्र देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू की गई ज्यादा जनहितैषी योजनाएं जनता के बीच काफी लोकप्रिय हुई हैं और लोगों को उसका भरपूर लाभ मिल रहा है। यहां तक कि अन्य राज्यों में कर्नाटक की योजनाओं की चर्चाएं हैं।

बेंगलूरु के रवीन्द्र कलाक्षेत्र में सोमवार को गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने वरिष्ठ स्वतंत्रता सेनानी एचएस दौरेस्वामी को महात्मा गांधी अवार्ड कर्नाटक-2017 प्रदान किया।

कांग्रेस करती है गांधी और शास्त्री के मार्ग का अनुसरण

सिद्दरामैया ने कहा कि देश आज महात्मा गांधी के बताए अहिंसा के मार्ग पर चलकर प्रगति पथ पर बढ रहा है जबकि लाल बहादुर शास्त्री ने हमारे देश के सैन्य बलों को नए पंख दिए। उन्होंने कहा कि दोनों महान विभूतियों ने दुनिया में भारत को महत्वपूर्ण स्थान दिलाया और हमें उसे आगे ले जाना होगा। कांग्रेस पार्टी और राज्य की कांग्रेस सरकार इसी मार्ग पर चलने का अनुसरण करती है। उन्होंने कहा हम 'काम की बात' पर भरोसा करते हैं न कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भांति 'मन की बात' पर। इसी कारण हमारी सरकार ने सामाजिक सुधारों में जितना अधिक अर्जित किया है उस तुलना में केन्द्र की भाजपा सरकार का दावा कहीं नहीं टिकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह महात्मा गांधी और लाल लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि अर्पित करने का समय है जो अलग-अलग प्रकार के नेतृत्वकर्ता थे। महात्मा गांधी एक वैश्विक नेता थे जबकि लाल बहादुर शास्त्री की पहचान सरकार के एक पारदर्शी संगठन के रूप में उन्नत करने और एक मजबूत भारत बनाने की है। यदि हम दो नेताओं को भूल जाते हैं तो भारत के लिए कोई भविष्य नहीं होगा। उन्होंने केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए पूछा कि क्या वर्तमान केन्द्र सरकार इस संदेश के लिए प्रतिबद्ध है? क्या भाजपा महात्मा गांधी के जातिहीन समाज के संदेश के लिए वचनबद्ध है जो समाज को अहिंसा की ओर ले जाता है?

पृथकता के लिए नहीं कन्नड़ ध्वज की मांग

गांधीनगर विस क्षेत्र के चौथे कन्नड़ साहित्य सम्मेलन में बोले दिनेश गुंडूराव

कहा, यह कतई संविधान विरोधी कदम नहीं

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

बेंगलूरु. प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष दिनेश गुंडूराव ने स्पष्ट किया कि राज्य में कन्नड़ ध्वज की परंपरा पूर्व से है। राज्य सरकार की योजना किसी प्रकार की पृथकता उत्पन्न करना नहीं है बल्कि इसे अधिकृत तौर पर मान्यता दिलाना है।

वे रविवार को रेणुकाचार्य कॉलेज परिसर में आयोजित गांधीनगर विधानसभा क्षेत्र के चौथे कन्नड़ साहित्य सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कन्नड़ ध्वज को अधिकृत तौर पर मान्यता दिलाना राज्य सरकार का मकसद है। इसके पीछे पृथकतावाद की बातें कहना उचित नहीं है। यह कोई संविधान विरोधी कदम भी नहीं है।

कर्नाटक में राज्य-गीत की तरह राष्ट्रगीत को भी पूरा सम्मान दिया जाता है। यदि राज्य सरकार कन्नड़ ध्वज को मान्यता दिलाना चाहती है तो इसमें गलत क्या है? उन्होंने कहा कि जबरन हिन्दी थोपना ठीक नहीं है। इस संबंध में मुख्यमंत्री ने केन्द्र को पत्र लिखकर मेट्रो स्टेशनों के नाम पट्टों से हिन्दी हटाने की मांग की है।

हिन्दी हटाने के खिलाफ चलाए जा रहे आंदोलन का वे समर्थन करते हैं। उन्होंने कन्नड़ भाषा के इस्तेमाल व उसके संरक्षण के लिए किए जा रहे संघर्ष का समर्थन करते हुए कहा कि बाहरी राज्यों से यहां आकर रहने वाले लोगों को कन्नड़ भाषा सीखनी चाहिए।

सम्मेलन के अध्यक्ष व शेषाद्रीपुरम् शिक्षण संस्था समूह के महासचिव डॉ.पुडे पी.कृष्णा ने कहा कि गांधीनगर विधानसभा क्षेत्र को मिनी भारत कहना गलत नहीं होगा, क्योंकि यहां अनेक भाषाओं को बोलने वाले अलग-अलग संस्कृतियों के लोग रहते हैं। इसके बावजूद क्षेत्र में अनेक समस्याएं हैं। कचरे का निपटान और वायु प्रदूषण से यहां के लोग बुरी तरह परेशान हैं। इस बारे में जनप्रतिनिधियों को समुचित कदम उठाने चाहिएं। कन्नड़ माध्यम के स्कूलों को बचाना होगा। राज्य के सीमावर्ती इलाकों में कन्नड़ भाषा को और अधिक सुदृढ़ बनाना होगा। कन्नड़ को बचाने की पहल करना स्वागत योग्य है।

रेणुकाचार्य कॉलेज में आयोजित कन्नड़ साहित्य सम्मेलन में आपस में बतियाते दिनेश गुंडूराव व अन्य।

इससे पहले सुबह 8 बजे मल्लेश्वरम् स्थित कुवेंपु प्रतिमा के पास ध्वजारोहण किया गया। गुंडूराव तथा कन्नड़ विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष मुख्यमंत्री चंद्रू ने सम्मेलन के अध्यक्ष कृष्णा की शोभायात्रा को रवाना किया।

सम्मेलन में पूर्वमंत्री डॉ. लीलादेवी आर. प्रसाद, कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. पद्माशेखर, साहित्यकार बैरमंगला रामेगौड़ा, बेंगलूरु शहरी जिला कन्नड़ साहित्य परिषद के अध्यक्ष मायण्णा, गांधीनगर साहित्य परिषद की अध्यक्ष मंजू महादेवम्मा, स्रीधर, पालिका सदस्य आर.सी. सत्यनारायण, लता प्रमोद, गोविंदराजू, शिव प्रकाश, एस. लीला, महादेवम्मा समेत विभिन्न क्षेत्रों के साहित्यप्रेमियों ने भी मौजूदगी दर्ज कराई।

राजस्थान पत्रिका

बेंगलूरु. रविवार
16.04.2017
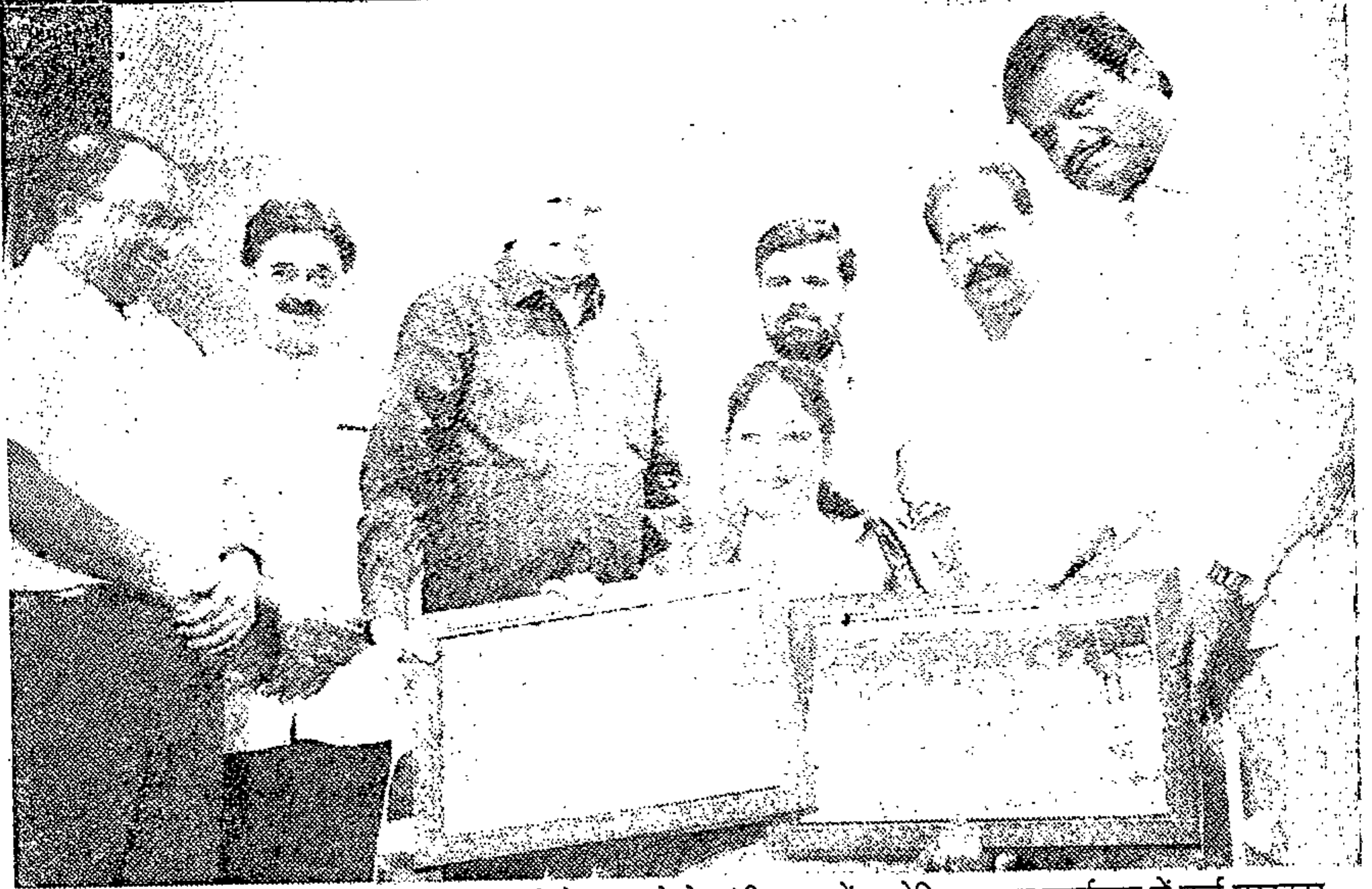
बेंगलूरु में शनिवार को कर्नाटक फिल्म अकादमी के सदस्यों ने गांधी भवन में आयोजितज एक कार्यक्रम में कई पुरस्कार प्राप्त कर चुकी अपने जमाने की मशहूर फिल्म अभिनेत्री भारती विष्णुवर्द्धन का सम्मान किया।

राजस्थान पत्रिका . बेंगलूरु . मंगलवार . 07.02.2017

नोबेल पुरस्कार विजेता बोले ...

नौकरी पाने के बजाय देने का लक्ष्य बनाएं: प्रो. यूनुस

ग्रामीण महिलाओं की आत्मनिर्भरता दूर करेगी गरीबी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बेंगलूरु. युवाओं को इच्छा शक्ति, कल्पना शक्ति तथा संकल्प शक्ति के साथ रोजगार प्राप्त करने का नहीं बल्कि लोगों के लिए रोजगार का सृजन करने का लक्ष्य रखना चाहिए। इससे युवा आत्मनिर्भर

होंगे। यह कहना है नोबल पुरस्कार प्राप्त प्रो. मोहम्मद यूनुस का।

शहर के यलहंका उपनगर स्थित शेषाद्रिपुरम पीयू कॉलेज के एक समारोह में उन्होंने कहा कि यदि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जाता है तो किसी भी देश की गरीबी की समस्या का स्थायी समाधान संभव है। उन्होंने कहा कि मेरा जन्म बांग्लादेश के एक गरीब परिवार में हुआ था, रोजगार की तलाश में उनके अभिभावक देहात से शहर में आकर बसे थे। लिहाजा मैं शहर में आया।शहर में उच्च शिक्षा प्राप्त कर वे बांग्ला विश्वविद्यालय में व्याख्याता बने थे।

उन्होंने कहा कि वर्ष 1974 में बांग्लादेश के हालात ही अलग किस्म के थे। इस दौरान देश की स्थिति विकराल थी। इस कार्यकाल में यहां के लोगों की भूख तथा विभिन्न बीमारियों के कारण मौत हो रही थी। इस स्थिति को देखकर मेरा मन द्रवित हुआ था और इस हालात को बदलने का संकल्प लिया। समाज के गरीब परिवारों को भूख से मुक्ति दिलाने के लिए वर्ष 1976 में ग्रामीण क्षेत्र में बैंक स्थापित करने का फैसला किया। यह राष्ट्रीयकृत वाणिज्य बैंकों से विपरीत दिशा में कार्य करने वाला बैंक था। बैंक ने संपन्न वर्ग को नहीं बल्कि गरीबों को ऋण देने की परिपाटी शुरू की। इस बैंक में महिला कर्मियों की संख्या 97 फीसदी थी।

इस बैंक के माध्यम से महिलाओं के सबलीकरण को बल दिया गया था। साथ में युवाओं को भी स्वरोजगार के लिए ऋण मुहैया किया जा रहा था। ऐसी इकाईयों के माध्यम से बड़ी संख्या में रोजगारों का सृजन होने से बेरोजगारी की समस्या का समाधान संभव हुआ। युवा तथा महिलाओं को ऋण के साथ-साथ साक्षरता अभियान भी शुरू किया। केवल महिलाओं के लिए स्थापित यह विश्व का अलग बैंक साबित हुआ। इस प्रयोग की सफलता को देखते हुए विश्व के कई देशों के युवाओं ने अपने ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे बैंक स्थापित किए। कार्यक्रम में शेषाद्रिपुरम शिक्षा संस्थान के अध्यक्ष पंडिताराध्य ने विचार रखे। शिक्षा संस्था के मानद सचिव वी. कृष्णा ने स्वागत किया। प्राचार्य डॉ. एस. एन. वेंकटेश ने शिक्षा संस्था की स्थापना की 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में अब तक की उपलब्धियां गिनाई। अध्ययन विभाग के निदेशक डॉ. एम. प्रकाश ने धन्यवाद अर्पित किया।

एयरोस्पेस क्षेत्र › सभी रक्षा उद्योग एक संगठन, एक उद्देश्य के लिए करें काम: डीआरडीओ

आत्मनिर्भरता के लिए बने आयोग

बेंगलूरु
bangaluru@patrika.com

रक्षा एवं एयरोस्पेस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ)ने 'वैमानिकी आयोग' (एयरोनॉटिकल कमीशन) के गठन की जोरदार वकालत की है।

डीआरडीओ महानिदेशक (एयरोनॉटिक्स) डॉ के. तमिलमणि ने यहां शुक्रवार को एयरोनॉटिकल इंजीनियर्स सम्मेलन के दौरान संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि देश में विमानों की डिजाइन, विकास, परीक्षण और उत्पादन की क्षमता बढ़ाने के लिए यह आयोग बेहद आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि देश में एयरोस्पेस उद्योगों की अलग-अलग पहचान और अलग-अलग उद्देश्य हैं। सभी उद्योगों एवं संस्थाओं को एक ही प्रणाली के तहत एक संगठन के अंतर्गत लाना होगा तभी एयरोस्पेस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल हो सकेगी। निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की विभिन्न प्रयोगशालाएं एवं संस्थाएं अपने-अपने तरह से काम कर रही हैं। इनकी रुचि अपनी कंपनी अथवा अपने शोध एवं अनुसंधान प्रयोगशालाओं के लिए कुछ हासिल करने में है। इससे राष्ट्रहित में बेहतर परिणाम नहीं आएंगे। एक ऐसे शीर्ष निकाय अथवा आयोग की जरूरत है जो इस उद्योग से जुड़े सभी हितधारकों को साथ काम करने के लिए निर्देशित करे। इससे पहले हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के अध्यक्ष आर.के. त्यागी ने भी एयरोनॉटिकल आयोग के गठन की बात कही थी ताकि अलग-अलग मंत्रालयों की अधीनस्थ कंपनियों को एक ही छत के नीचे लाया जा सके। उन्होंने कहा कि आयोग बेहतर सामंजस्य, तालमेल, और समझ के साथ एयरोस्पेस से जुड़ी गतिविधियों में तेजी लाने के लिए उचित निर्णय करेगा। इतना ही नहीं निर्णय प्रक्रिया में भी तेजी आएगी। हालांकि, आयोग के गठन की प्रक्रिया इतना आसान नहीं होगी। सरकारी क्षेत्र में ही उद्योग से जुड़ी कई कंपनियां हैं।

उद्घाटन बेंगलूरु में शुक्रवार को द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स के तत्वावधान में आयोजित एयरोनॉटिकल इंजीनियर्स सम्मेलन का उद्घाटन करते इसरो के पूर्व अध्यक्ष प्रो यू आर राव।

इसके बावजूद कम से कम सार्वजनिक क्षेत्र की रक्षा कंपनियां ही आपस में मिलकर काम करने की शुरुआत करें। रक्षा उत्पादों का उत्पादन अंतिम उपभोक्ता (भारतीय सशस्त्र बलों) को ध्यान में रखकर करें। निजी क्षेत्र भी रक्षा उत्पादन में सार्वजनिक क्षेत्र के साथ आएं क्योंकि यह सरकारी और निजी क्षेत्र के सामूहिक सहयोग से ही संभव है। उन्होंने कहा कि 'मेक इन इंडिया' को रक्षा क्षेत्र को हर कोने से समर्थन मिलना चाहिए। इससे देशको बड़े पैमाने पर लाभ पहुंचेगा। यह सही वक्त है जब निजी क्षेत्रों को ज्यादा से ज्यादा निवेश करना चाहिए और देशके विकास में उनका योगदान बढ़ना चाहिए।

गोरखपुर चेतना-महानगर

गोरखपुर, रविवार 28 सितम्बर, 2014

गोष्ठी में मंचासीन विधानसभा अध्यक्ष माता प्रसाद त्रिपाठी। कुलपति प्रो. ओंकार सिंह यादव व अतिथिगण।

दो दिवसीय मेकैनिकल इंजीनियर्स का 30वां राष्ट्रीय सेमिनार

आधुनिक जीवन के लिये जरूरी है अधिक ऊर्जा का उत्पादन

'ग्रीन टेक्नालाजी इन पावर सेक्टर' पर गोष्ठी का आयोजन

▢ वायु प्रदूषण, कटते जंगल, अम्लीय वर्षा एवं भूमण्डलीय गर्मी ने डाला है नकरात्मक प्रभाव

गोरखपुर। मदन मोहन मालवीय प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय में आज 30वां दो दिवसीय मेकेनिकल इंजीनियर्स का राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया गया। जिसमें पूरे देश से विशेषज्ञ इंजीरियरों ने भाग लिया। इस अवसर पर ग्रीन टेक्नालाजी इन पावर सेक्टर पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन हुआ।

इसकार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष माता प्रसाद त्रिपाठी ने सुबह दस बजे दीप जलाकर किया। इस अवसर पर उर्जा की आवश्यकता एवं उसकी उपयोगिता पर [illegible] हुए वक्ताओं ने कहाकि आधुनिक युग

दीप प्रज्जवलित कर गोष्ठी का शुभारंभ करते अतिथिगण।

में भूण्डलीयकरण वर्तमान समय में ऊर्जा ही विकास की धुरी है। इसके बिना आधुनिक सम्भता [illegible]। यह प्रकृति द्वारा मानव को दिया गया अमूल्य [illegible] है जिसे उसने विभिन्न स्वरूपों में दिया है।

इस अवसर पर यह बताया गया कि विश्व में जनसंख्या वृद्धि के कारण उर्जा का भी खपत बढ़ी है। अभी भी उर्जा के बहुत से श्रोतों का इस्तेमाल उस बिन्दु तक नहीं किया गया है। जहां तक इसका उपयोग होना चाहिये। इसलिये आज की यह सबसे बड़ी आवश्यकता है उर्जा के नये-नये श्रोतों को खोज़कर उनका उपयोग विकास के कार्यों में किया जाये। [illegible] आवश्यकता है तेज औद्योगिक विकास एवं [illegible]स्तरीय जीवन शैली की।

अधिक निभरता है फासिल फ्यूज को बचाने एवं उन्हें स्टोर करना चाहिये ताकि बढ़ते ऊर्जा की आवश्यकता को पूरा किया जा सके। आज वातावरण पर उलटा प्रभाव पड़ रहा है। इसका मुख्य कारण भुमण्डलीय ताप, जंगलो का कटान एवं अम्लीय वर्षा आदि है। बहुत वर्षो से उर्जा संरक्षण सर्वे उत्पादन पर तरह-तरह की चर्चाये होती रही है। लेकिन उन्हें किसी उचित मुकाम तक नहीं पहुचाया गया। उस पर पूरी ईमानदारी से कार्य नहीं हुआ।

आज जरूरत है इसके लिये मजबूती से कार्य करने एवं नियम बनाने की वर्तमान का आयोजन ग्रीन पावर और उसमें संबंधित प्राविधानों से जुड़ा है। आज जरूरत है उर्जा से संबंधित प्रयोगो पर विचार कर अधिक से अधिक उत्पादनों पर इसपर दूर-दूर से आये इंजीनियरों ने वृहद प्रकाश डाला और उसकी उपयोगिता बतायी। इस अवसर पर इसके लिये अत्याधुनिक संयंत्रो और मशीनों के बारे में जानकारी दी गयी जो उर्जा के क्षेत्र में काफी उपयोगी होंगे।

8 | दैनिक जागरण
गोरखपुर, 28 सितंबर 2014

विकास के लिए आगे आएं इंजीनियर

- एमएमएमयूटी में शुरू हुआ मैकेनिकल इंजीनियरों का 30वां राष्ट्रीय अधिवेशन
- ऊर्जा क्षेत्र में पर्यावरण अनुकूल तकनीकों पर हुई गहन चर्चा

एमएमएमयूटी में सेमिनार का उद्घाटन करते विधानसभा अध्यक्ष माता प्रसाद पांडेय, साथ में कुलपति प्रो. ओंकार सिंह व अन्य। जागरण

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में शनिवार से इंस्टीच्यूशन आफ इंजीनियर्स की ओर से आयोजित मैकेनिकल इंजीनियरों का 30 वां राष्ट्रीय अधिवेशन शुरू हुआ। दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए विधानसभा अध्यक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के विकास के लिए एक ऐसी तकनीक की जरूरत है जो पर्यावरण के अनुकूल हो। उन्होंने बिजली संकट से निपटने के लिए इंजीनियरों की नए सिरे से प्रयास करने की जरूरत पर भी बल दिया। समारोह में डा. विवेक देवीदास कल्याणकर और डा. रजनीश भारद्वाज को युवा इंजीनियर अवार्ड से नवाजा गया। दूसरे सत्र में विशेष अतिथि डा. वी. गणेशन ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग के विभिन्न विषयों को मनोरंजक ढंग से पढ़ाने के तरीके बताए।

वहीं विभिन्न प्रस्तुतियों में देश के विभिन्न क्षेत्र से आए प्रतिभागी इंजीनियरों ने हरित तकनीकी के विषय में जानकारी दी। राष्ट्रीय अधिवेशन के पहले दिन ऊर्जा क्षेत्र में पर्यावरण अनुकूल तकनीकों को बढ़ावा देने पर विशेष रूप से चर्चा हुई। कन्वेंशन में जादवपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं आइआइटी खड़गपुर के डिप्टी डायरेक्टर डा. सौविक भट्टाचार्य ने एसपी लूथरा स्मृति व्याख्यान दिया। समारोह को कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने भी संबोधित किया। विभिन्न छात्र-छात्राओं ने शोध पत्रों का वाचन भी किया।

यांत्रिक अभियन्ताओं के ३०वें राष्ट्रीय अधिवेशन का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते विधानसभा के सभापति माता प्रसाद पाण्डेय।

विद्युत संकट को खात्मा के लिए खोजें नयी तकनीक-माता प्रसाद

गोरखपुर, २७ सितम्बर। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आज इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स द्वारा यांत्रिक अभियंताओं के ३०वें राष्ट्रीय अधिवेशन तथा हरित क्रांति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश के लिए तकनीकी दृष्टि से एक दिन रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माता प्रसाद पाण्डेय सभापति विधानसभा उत्तर प्रदेश, डा. एड.पी. कृष्णा अध्यक्ष मेकेनिकल इंजीनियरिंग डिविजन बोर्ड, ई. वी.बी. सिंह अध्यक्ष यूपी स्टेट सेंटर दि इंस्टीट्यूशन आफ इंडिया, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय गोरखपुर के प्रथम कुलपति प्रो. ओंकार सिंह, ई. जे.एस. मिश्रा मानद सचिव यूपी स्टेट सेंटर दि इंस्टीट्यूशन आफ इंजीनियर्स सहित कार्यक्रम के सह संयोजक प्रो. डी.के. सिंह, प्रो. एवं विभागाध्यक्ष, यांत्रिक अभियंत्रण विभाग तथा आयोजन सचिव डा. सुनील कुमार श्रीवास्तव, सह आचार्य यांत्रिक अभियंत्रण विभाग उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि माता प्रसाद पाण्डेय द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के पश्चात यांत्रिक अभियन्ताओं के ३०वें राष्ट्रीय अधिवेशन तथा हरित तकनीकी पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माता प्रसाद पाण्डेय ने सभी इंजीनियर्स को पूर्वी उत्तर प्रदेश के विकास हेतु एक ऐसी हरित तकनीक की खोज करने के लिए आग्रह किया जिससे बिजली संकट दूर हो सके और देश को एक नई दिशा मिले। उन्होंने साथ यह भी कहा कि यह सौभाग्य की बात है कि उत्तरप्रदेश में प्रथम बार आयोजित होने वाला द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स का यह राष्ट्रीय अधिवेशन गोरखपुर यांत्रिक अभियंत्रण विभाग के मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में किया जा रहा है। इसके पश्चात इंजीनियर्स डा. विवेक देवीदास कल्याणकर, डा. रजनीश भारद्वाज को युवा इंजीनियर्स के अवार्ड से सम्मानित किया गया तथा उद्घाटन सत्र में डा. एस.के. श्रीवास्तव, आयोजन सचिव ने अतिथिगण, श्रोतागण एवं पत्रकार बंधुओं का स्वागत एवं उनके प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। उद्घाटन सत्र का अंत राष्ट्रीय गान कर किया गया।

'आईटी सेक्टर पर सीएम का जोर'

एमएमएमयूटी में मैकेनिकल इंजीनियरिंग पर संगोष्ठी में माता प्रसाद ने कहा

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में मैकेनिकल इंजीनियरिंग पर आयोजित 30वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन विधानसभा अध्यक्ष माता प्रसाद पांडेय ने किया। इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) के तत्वावधान में यूनिवर्सिटी के यांत्रिक अभियंत्रण द्वारा आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी में बाहर के विशेषज्ञ भी शिरकत कर रहे हैं।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि विकास के क्षेत्र में इंजीनियरिंग का विशेष महत्व है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रदेश के लिए गौरव की बात है। इससे यहां पढ़ रहे विद्यार्थियों को जानेमाने विद्वानों को सुनने, सीखने का मौका मिलेगा। कहा कि प्रदेश में आईटी सेक्टर को विकसित करने को लेकर सीएम अखिलेश यादव का विशेष जोर है। गोरखपुर में इंजीनियरिंग कॉलेज को यूनिवर्सिटी का दर्जा दिलाना हो या फिर लखनऊ में आईटी पार्क को स्वीकृति देना, उनकी मंशा साफ जाहिर है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पांच वरिष्ठ और तीन युवा अभियंताओं को शाल एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले वरिष्ठ इंजीनियरों में एमईसीओएन लिमिटेड रांची के सीनियर मैनेजर सुनील कुमार सूद, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार, राजस्थान प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नलिनाक्ष एस व्यास, मास्टर कंसल्टेंसी एंड प्रोडक्ट सिकंदराबाद के मैनेजिंग डायरेक्टर आरए शर्मा और एनटीपीसी के रीजनल एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर शरद आनंद रहे। युवा अभियंताओं में आईआईटी मुंबई के असिस्टेंट प्रोफेसर रजनीश, आईआईटी कानपुर के असिस्टेंट प्रोफेसर अरविंद कुमार और सरदार बल्लभ भाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी के विवेक देवीदास कल्याणकर का सम्मान हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने की। इटैलियन नेशनल एजेंसी फॉर न्यू टेक्नॉलजी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. वीके शर्मा, मैकेनिकल इंजीनियरिंग बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. वुडे पी कृष्णा, गोरखपुर एनवायरमेंटल एक्शन ग्रुप के डॉ. शिराज वजीह आदि रहे।

विधानसभा अध्यक्ष ने दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग में उत्कृष्ट योगदान करने वालों को सम्मानित किया गया.

आकर्षण का केंद्र रहे कई स्टॉल

कार्यक्रम में पर्यटन विभाग, गीता प्रेस, गोरखपुर एनवायरमेंटल एक्शन ग्रुप, ऊर्जा बायोमास गैसीफायर आदि स्टॉल कार्यक्रम की भव्यता बढ़ा रहे थे। विद्यार्थियों एवं अन्य आगंतुकों ने इन स्टॉल से उपयोगी जानकारी ली एवं किताबें भी खरीदीं।

पेट्रोल पंप, गैस एजेंसी पर सफाई अभियान चलाया

गोरखपुर। स्वच्छता अभियान के तहत इंडियन ऑयल के अफसरों ने शहर के एक पेट्रोल पंप और गैस एजेंसी पर झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया। इंडियन ऑयल के जीएम यूपी सिंह ने सभी कर्मचारियों से इस अभियान से जुड़कर शहर को स्वच्छ रखने का आह्वान किया। कहा कि गैस एजेंसी और पेट्रोल पंप मालिक अपने प्रतिष्ठान से इसकी शुरुआत करें और आसपास की सफाई व्यवस्था पर भी ध्यान दें। इस मौके पर इंडियन ऑयल के एजीएम पीके झा, एरिया मैनेजर चेतन पटवारी के अलावा एजेंसी संचालक अभिजीत सिंह, अशोक सिंह, विनय [illegible] आदि मौजूद रहे।

वैज्ञानिक डॉ. वीके शर्मा बोले, जिंदगी के लिए उत्सर्जन घटाना बेहद जरूरी

'ग्रीन टेक्नॉलजी से कम होगा धरती का ताप'

अमर उजाला ब्यूरो

परंपरागत स्रोत से ऊर्जा उत्पादन ग्लोबल वार्मिंग का बड़ा कारण

गोरखपुर। ऊर्जा क्षेत्र में ग्रीन टेक्नॉलजी के प्रयोग पर मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में रविवार को होने वाले सेमिनार में मुख्य वक्ता के तौर पर हिस्सा लेने पहुंचे इटैलियन नेशनल एजेंसी फॉर न्यू टेक्नॉलजी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. वीके शर्मा ने परंपरागत स्रोत से ऊर्जा उत्पादन को ग्लोबल वार्मिंग का प्रमुख कारण बताया। कहा कि पहले दशहरे के आसपास ही ठंड महसूस होने लगती थी, लेकिन अब इस समय लोगों को भीषण गर्मी झेलनी पड़ रही है।

इससे पूर्व शुक्रवार को उन्होंने इटैलियन नेशनल एजेंसी फॉर न्यू टेक्नॉलजी की ओर से एमएमएमयूटी के साथ ऊर्जा क्षेत्र में ग्रीन टेक्नॉलजी पर शोध एवं प्रशिक्षण के लिए एमओयू (मेमोरंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) पर हस्ताक्षर किया। डॉ. वीके शर्मा ने शनिवार को बताया कि वैश्विक समस्या का रूप ले चुकी ग्लोबल वार्मिंग को रोकने में ग्रीन टेक्नॉलजी कारगर साबित हुई है। ऊर्जा संकट से जूझ रहे भारत जैसे देश के लिए ग्रीन टेक्नॉलजी बेहतर विकल्प हो सकती है। जर्मनी में कुल मांग का 10 तो इटली में 5.4 फीसदी ग्रीन टेक्नॉलजी से पूरा होता है। भारत में अभी कुल ऊर्जा जरूरत का 0.5 फीसदी उत्पादन ही ग्रीन टेक्नॉलजी के जरिए होता है। भारत में इसके विकास के लिए इटली के साथ एमएमएमयूटी का समझौता बड़ा कदम है। बायोमास, हवा, पानी और सूर्य की रोशनी के प्रयोग से ऊर्जा उत्पादन से ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम किया जा सकता है। इससे न सिर्फ ऊर्जा संकट से देश को उबारा जा सकता है बल्कि प्रदूषण को भी नियंत्रित किया जा सकता है।

इको फ्रेंडली ऊर्जा आज की जरूरत : माता प्रसाद

एमएमएमटीयू में राष्ट्रीय अधिवेशन का दीप जलाकर उदघाटन करते विधान सभा अध्यक्ष माता प्रसाद पांडेय साथ में डा. ओंकार सिंह, जेएस मिश्रा, बीबी सिंह उडेःपी कृष्णा व अन्य।

गोरखपुर। भारत को सदियों से तकनीकी पिछड़ेपन का खमियाजा भोजना पड़ा है। ऊर्जा क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं है। आज बिजली उत्पादन की 65 प्रतिशत तकनीकी पर्यावरण के खिलाफ है। धरती पर मानव जीवन को बचाना है तो इकोफ्रेंडली ऊर्जा तकनीकी को अपनाना होगा। वैज्ञानिकों को चाहिए कि वे गैर पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों की तलाश में तेजी से काम करें।

यह आह्वान विधानसभा अध्यक्ष माता प्रसाद पाण्डेय ने ममोमा प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित द इंस्टीच्यूशन आफ इंजीनियर्स भारत स्टेट सेंट लखनऊ के 30वें राष्ट्रीय अधिवेशन व ग्रीन टेक्नोलाजी विन पावर सेक्टर विषयक सेमिनार का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार भी इस दिशा में कार्य कर रही है तथा रूफ आफ सोलर पालिसी पर काम चल रहा है। उन्होंने आशा जताई कि इस अधिवेशन एवं सेमिनार से प्रदेश को नई ऊर्जा व दिशा मिलेगी। उन्होंने मंगलयान की सफलता के लिए वैज्ञानिकों का हाथ जोड़कर नमस्कार किया।

अधिवेशन को संबोधित करते हुए द इंस्टीच्यूशन आफ इंजीनियर्स के राष्ट्रीय चेयरमैन वुडे पी कृष्णा ने कहा कि आज पूरे विश्व में कार्बन डाई आक्साइड गैस की मात्रा कम करने की पहल चल रही है। इसके लिए आवश्यकता है कि हम गैरपारंपरिक ऊर्जा स्रोत सोलर एनर्जी, विंड एनर्जी, टाइडल एनर्जी की तरफ ध्यान दें। देश में हर साल 10 से 12 प्रतिशत बिजली की मांग बढ़ रही है जिसके लिए आवश्यकता है कि हम ऊर्जा इफिसिएंसी पर खास ध्यान दें। उन्होंने ग्रीन टेक्नोलाजी को बढ़ावा देने के लिए बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों को आने की अपील की। कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि ग्रीन टेक्नोलाजी पर्यावरण को बचाने का सबसे सुरक्षित स्रोत है। इस दिशा में हम सभी को मिलकर काम करना होगा। संबोधन के क्रम में ई. जेएस मिश्रा मानद सचिव यूपी स्टेट सेंटर ने कहा कि गोरखपुर को संस्था का लोकल सेंटर बनाने की पहल की गयी है। शीघ्र इसे मान्यता मिल जाएगी।

- एमएमएमटीयू में मेकेनिकल इंजीनियर्स अधिवेशन व सेमिनार
- ऊर्जा इफीशिएंसी बढ़ाने की आवश्यकता : चेयरमैन कृष्णा
- ग्रीन टेक्नोलाजी पर्यावरण के लिए सबसे सुरक्षित : कुलपति
- गोरखपुर बनेगा द इंस्टीट्यूशन आफ इंजीनियर्स का स्थानीय सेंटर : जेएस मिश्रा

कार्यक्रम में ई. बीबी सिंह चेयरमैन यूपी स्टेट, प्रो. डीके सिंह एनओडी मेकानिकल विभाग एमएमटीयू ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान सभी गण्यमान्य अतिथियों को शाल एवं स्मृतिचिह्न प्रदान किया। कार्यक्रम का समापन आयोजन सचिव सुनील कुमार श्रीवास्तव सह आचार्य एमएमएमटीयू द्वारा धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगीत गायन से किया गया।

पुस्तिका का विमोचन

द इंस्टीच्यूशन आफ इंजीनियर्स की ओर से 30वें अधिवेशन के अवसर पर जारी दो विशेष पुस्तिकाओं का भी विमोचन किया गया।

यंग इंजीनियर्स पुरस्कार से सम्मानित

अधिवेशन के दौरान द इंस्टीच्यूट आफ इंजीनियर्स संस्था की ओर से तीन युवा वैज्ञानिकों को सम्मानित किया है। इस अवसर पर उपस्थित वैज्ञानिक रजनीश भारद्वाज (आईआईटी पवई मुंबई) तथा विवेक देवीदास कल्यानकर (सूरत) ने मुख्य अतिथि के कर कमलों से पुरस्कार प्राप्त किया।

अगला दशक टेलीमेटिक्स का है-डा. वी गनेशन

इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी मद्रास से आये डा. वी गनेशन ने अपने मेमोरियल लेक्चर में कहा कि घोड़ा मनुष्य का पहला एसयूवी था। उसके बाद उसमें वाहन जोड़ दिये गए। फिर पानी का एसयूवी बना नाव अब चार पहिया वाहन से लेकर वायुयान, लोकोमोटिव इंजन हमारे एसयूवी बन गये हैं, लेकिन यह सर्वविदित है कि ये सभी परंपरागत ऊर्जा स्रोतों से चलते हैं। जो पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है, लेकिन अब तकनीकी में तेजी से बदलाव आ रहा है। अब इलेक्ट्रानिक एसयूवी बन रहे हैं। इनमें इलेक्ट्रानिक की मात्रा 60 प्रतिशत तक प्रयुक्त हो रही है, लेकिन अगले दशक तक सड़क पर आज सड़क पर दिखने वाले वाहन लुप्त हो जाएंगे। उनकी जगह टेलीमेटिक्स इंजन वाले वाहन आ जाएंगे।

सुपर क्रिटिकल टेक्नोलाजी को अपनाना होगा-डा. अश्वनी कुमार सक्सेना

चेयरमैन एसईएसी झारखंड ने गैर पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर बातचीत करते हुए कहा कि पुराने कोयला पावर प्लांटों में कोयले के हो रहे अंधाधुंध खपत को रोकने के लिए हमें सुपर क्रिटिकल टेक्नोलाजी को अपनाना होगा। इससे ईंधन के रूप में कोयले की खपत कम होगी तथा पर्यावरण में सुधार आएगा। उन्होंने सोलर एनर्जी की बात करते हुए कहा कि बुंदेलखंड में सोलर एनर्जी की अपार संभावना है। उन्होंने नहरों के वाष्पीकरण को रोकने के लिए फोटो सेल पैनल लगाने की भी वकालत की।

सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने की आवश्यकता

आंध्रा विश्वविद्यालय से आये डा. के वेंकट सुवैया ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा के लिए गैर पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे फोटो सेल एवं उन्नत बैटरियों का इस्तेमाल कर हम अपने घरों को रोशन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आंध्रा में सोलर ऊर्जा से 1500 मेगावाट बिजली पैदा करने का काम चल रहा है। सभी जानते हैं कि आंध्रा में 24 घंटे बिजली मिलती है।

बायोगैस ऊर्जा का एक बेहतर स्रोत

गैर पारंपरिक ऊर्जा विशेष व इटैलियन विशेषज्ञ विनोद कुमार शर्मा ने कहा कि आर्गेनिक वेस्ट से बायोगैस तैयार किया जा रहा है, जो ऊर्जा का बेहतर स्रोत है। बायोमास गैसीफिकेशन में नवीनतम तकनीकी का प्रयोग कर बायो डीजल एवं एथनाल बनाया जा रहा है। विदेशों में लिबियो सैलूलोजिक वेस्ट का प्रयोग पर ईंधन पैदा किया जा रहा है। उन्होंने सौर ऊर्जा की वकालत करते हुए इस दिशा में मानक स्तर के उत्पादों को प्रोत्साहन दिये जाने की आवश्यकता पर बल दिया।

अल्ट्राक्लीन कोयला बेहतर ऊर्जा स्रोत

पश्चिम बंगाल प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के बायोटेक विभाग के प्रो. डा. एमके घोष ने कहा कि भारत में अभी 200 वर्षों का कोयला भंडार है। अगर हम अल्ट्राक्लीन कोयला (परिष्कृत) का प्रयोग थर्मल पावर में करें तो हमारी उत्पादन क्षमता 35 से बढ़कर 55 प्रतिशत हो जाएगी। कार्बन डाई आक्साइड काफी कम निकलेगा जो पर्यावरण को बचाएगा। उन्होंने कोयला खदानों के नीचे मौजूद कोल गैस अथवा तरल कोयले से भी बिजली उत्पादन विधा का जिक्र किया।

राजस्थान पत्रिका
बेंगलूरु, शुक्रवार, 22.08.2014

बेंगलूरु में गुरुवार को भारतीय तकनीक कांग्रेस का उद्घाटन करते पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा।

पत्रिका
बेंगलूरु, रविवार 10 अगस्त 2014

सुराज का सपना साकार करें: एचके पाटिल
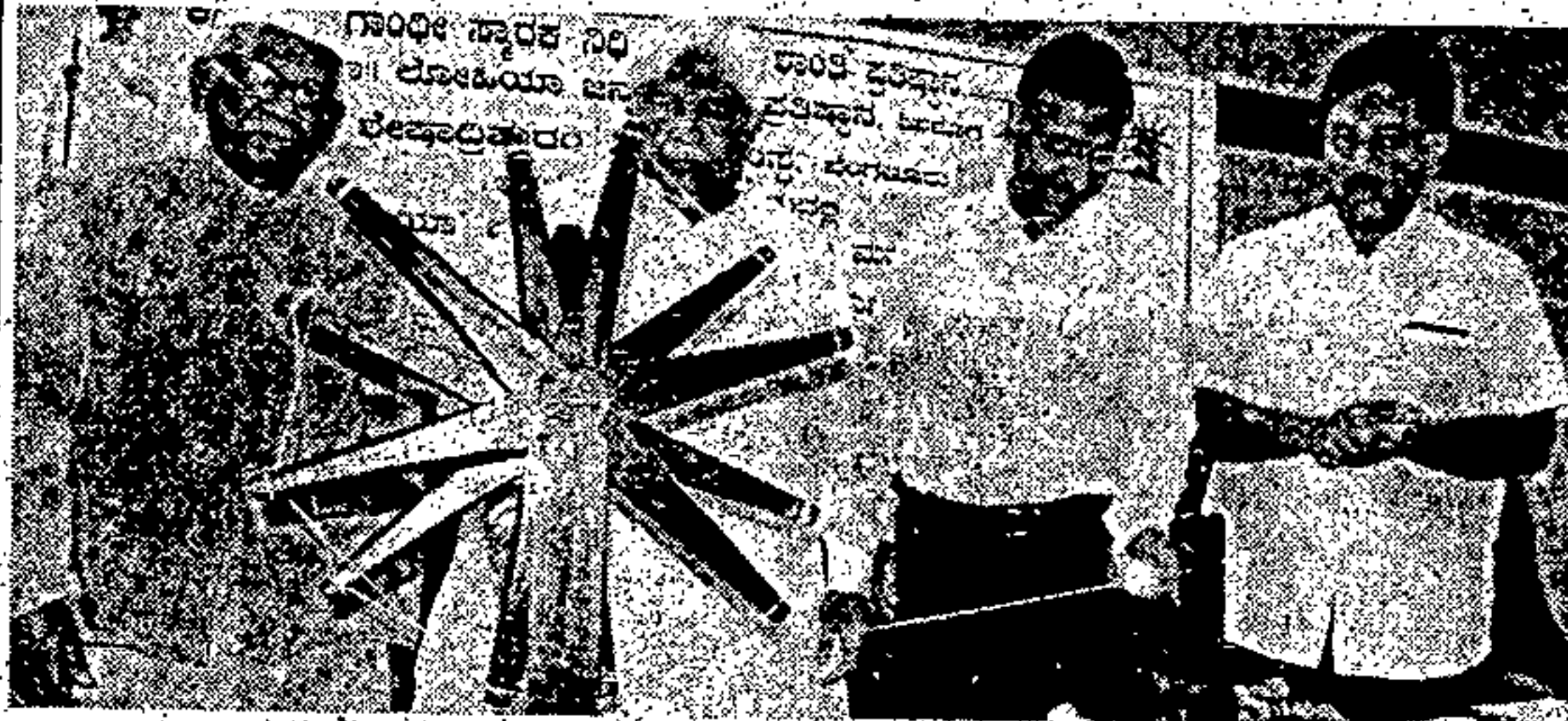
बेंगलूरु
bangaluru@patrika.com

महात्मा गांधी ने जो ग्राम स्वराज्य का सपना देखा था आजादी के 65 सालों के बाद भी यह सपना साकार नहीं हुआ है। लिहाजा, इस सपने को साकार करने के लिए सरकारों को हरसंभव प्रयास करने चाहिए। ग्रामीण विकास व पंचायत राज मंत्री एच.के.पाटिल ने यह बात कही।

शहर में शनिवार को गांधी स्मारक स्मृति निधि शांति सेवा प्रतिष्ठान तथा शेषाद्रीपुरम शिक्षा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित भारत-छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में उन्होंने कहा कि पहले गांव आत्मनिर्भर थे, लेकिन आज स्थिति बदल गई है। गांव के युवा रोजगार की तलाश में शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं जिसके कारण गांवों में अब केवल वृध्द लोग दिखाई देते हैं।

हमेशा प्रासंगिक रहेंगे गांधी

उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी का जीवन युवाओं के लिए प्रेरक है। उनकी विचारधारा हमेशा प्रासंगिक रहेगी। इसलिए उनकी विचारधारा को युवाओं तक पहुंचाने के लिए विशेष अभियान की दरकार है। आजादी के बाद सभी क्षेत्रों में हमने उपलब्धियां भी हासिल की हैं जिन पर हमें नाज होना चाहिए। विज्ञान तथा कृषि क्षेत्र में जो प्रगति हासिल हुई है, वह भी हमारे से लिए प्रेरक है।

शुद्ध पेयजल का अभाव

उन्होंने कहा कि एक ओर भौतिक संपन्नता तो आ रही है लेकिन उसके साथ-साथ शुध्द पेयजल का अभाव तथा शौचालयों का अभाव जैसी समस्याओं का स्थायी समाधान संभव नहीं हुआ है। यह एक जमीनी हकीकत है। इसे नकारा नहीं जा सकता।

आज देश में केवल शुध्द पेयजल नहीं मिलने के कारण प्रति 21 सेकंड में एक बच्चे की मौत हो रही है। इसलिए गांवों में शुध्द पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करना सरकार के सामने बड़ी चुनौती है। इस अवसर पर लेखक एन. सोमशेखर की 'नंदी धाम में महात्मा गांधी' तथा विनोबा भावे की 'मृत्यु का स्मरण' नामक पुस्तक का विमोचन किया गया।

गार्डन सिटी पत्रिका

बेंगलूरु, गुरुवार 19.12.201

श्रद्धांजलि बेंगलूरु में बुधवार को गांधी भवन में आयोजित समारोह में नेल्सन मंडेला के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित करते राज्यपाल हंसराज भारद्वाज साथ में ग्रामीण विकास मंत्री एचके पाटिल व अन्य।

पत्रिका
बेंगलूरु, गुरुवार
25.07.2013

तकनीक कांग्रेस बेंगलूरु के निम्हांस सभागार में बुधवार को आयोजित भारतीय तकनीक कांग्रेस में प्रतिभागी प्रतिनिधियों को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के उपग्रहों के बारे में जानकारी देते इसरो के अधिकारी।

पत्रिका
बेंगलूरु गुरुवार

31.1.2013

श्रद्धांजलि बेंगलूरु के गांधी भवन में बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते कर्नाटक गांधी स्मारक निधि के अध्यक्ष एच श्रीनिवासय्या, एस बी दिनेश व अन्य।

राजस्थान पत्रिका

बेंगलूरु, गुरुवार, 13 अगस्त, 2009

गरीबों की सेवा भी करे रेड क्रॉस

राज्यपाल हंसराज भारद्वाज ने कहा

कार्यालय संवाददाता

बेंगलूरु, 12 अगस्त। राज्यपाल हंसराज भारद्वाज ने कहा कि रेड क्रॉस को रक्तदान के अलावा गरीबों की सेवा में भी लगना चाहिए। इससे गरीबों का विकास हो सकेगा।

राज्यपाल इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, कर्नाटक राज्य शाखा की ओर से बुधवार को रेस कॉर्स रोड स्थित रेड क्रॉस भवन में '60वें वार्षिक जिनेवा समझौता दिवस' पर हेनरी दुरंट सभागार व रेड क्रॉस अमेचुर रेडियो स्टेशन के उद्घाटन अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि साथ ही अग्निशमन व एम्बुलेंस जैसी आपात सेवाएं भी उपलब्ध करवानी चाहिए। कर्नाटक एक सुसंस्कृत व सुरक्षित राज्य है। इसलिए यहां चिकित्सा सुविधाओं को सुधारना बेहद जरूरी है। राज्य पर प्राकृतिक प्रकोप भी बहुत कम ही रहता है। राज्यपाल ने रेड क्रॉस के रेडिया स्टेशन की शुरुआत को बड़ी उपलब्धि बताया।

समारोह की शुरुआत रेड क्रॉस के संस्थापक हेनरी दुरंट के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवल कर की गई। समारोह में राज्य में रेड क्रॉस के तहत आयोजित योजनाओं के बारे में बताया गया। इस मौके पर रेड क्रॉस की त्रैमासिक प्रत्रिका का विमोचन किया। कार्यक्रम में कर्नाटक शाखा के उपाध्यक्ष वूडे पी. कृष्णा, कोषाध्यक्ष राजू चंद्रशेखर, सहासचिव डॉ. एन.जी. नारायण व मीरा शिवलिंगैया आदि पदाधिकारियों सहित कई लोगों ने भी भाग लिया।

बेंगलूरु में बुधवार को राज्यपाल हंसराज भारद्वाज रेड क्रॉस रेडियो स्टेशन का उद्घाटन करते हुए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूर, सोमवार 15 जून 2009

रक्तदान को प्रोत्साहन :

कर्नाटक के राज्यपाल रामेश्वर ठाकुर तथा दूरदर्शन के निदेशक डॉ. महेश जोशी तथा भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के कोषाध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने रविवार को विश्व रक्तदान दिवस के मौके पर बेंगलूर स्थित राजभवन में आयोजित रक्तदान शिविर का निरीक्षण किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु | सोमवार | 25-12-2017

समाज में धार्मिक सौहार्द विकसित करना आज की बड़ी जरूरत : दलाई लामा

बेंगलूरु। तिब्बत के बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा ने समाज में धार्मिक सौहार्द स्थापित करने का आह्वान किया है। 'राष्ट्रीय पुनर्निर्माण हेतु बुद्धिमत्ता एवं संवेदनशीलता के लिए शिक्षा' विषय पर रविवार को शेषाद्रिपुरम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स की सिल्वर जुबिली के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लामा ने कहा कि भारत में 3000 वर्षों से विभिन्न धर्मों और परंपराओं के फूलने-फलने का इतिहास रहा है। उन्होंने कहा, कई देशों में जहां धर्म के नाम पर खूनी संघर्ष हुए, वहीं भारत विभिन्न धर्मों के बीच सौहार्द की मिसाल पेश करता रहा। आज भी भारत धार्मिक हिंसाग्रस्त देशों के लिए उदाहरण बनकर हिंसा समाप्त कर सकता है। मैं धार्मिक सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए संकल्पबद्ध हूं।

अपने संबोधन के दौरान लामा ने प्राचीन भारतीय ज्ञान के खजाने का अधिक गहन अध्ययन करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत का प्राचीन ज्ञान आज भी पूरी दुनिया के लिए उपयोगी है। उन्होंने कहा, आज विज्ञान और तकनीक का जमाना है लेकिन तकनीक व्यक्ति की संवेदनाओं और भावनाओं से जुड़ी समस्याओं को हल नहीं कर सकती है। भारतीय दार्शनिकों और शिक्षकों ने 1000 वर्षों से लोगों को बताया कि अपनी भावनाओं पर कैसे काबू करें और उनसे किस प्रकार जूझें। यह धर्म से जुड़ा मसला नहीं है। इस सिलसिले में उन्होंने गुरुकुल की परंपरा से आधुनिक भारतीय स्कूलों तक शिक्षा जगत के विकास पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जहां गुरुकुलों की भूमिका आज के समाज में न्यूनतम रह गई है, वहीं आधुनिक शिक्षा संस्थानों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वह अपने विद्यार्थियों को भौतिक और आत्मिक उन्नति की राह एक ही साथ बताएं।

एक प्रश्न के उत्तर में दलाई लामा ने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भारत की दशा-दिशा पर विचार करना या कोई टिप्पणी करना उनका काम नहीं है। इस बारे में कोई भी नजरिया अपनाना सिर्फ भारतीय नागरिकों का अधिकार है।

rajasthanpatrika.com
राजस्थान पत्रिका. बेंगलूरु . मंगलवार . 03.10.2017

महात्मा गांधी के विचारों को दिनचर्या में उतारें : दोरेस्वामी

दोरेस्वामी को महात्मा गांधी पुरस्कार प्रदान करते मुख्यमंत्री।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

बेंगलूरु. महात्मा गांधी के विचार धारा को दिनचर्या में उतारना ही ऐसे महापुरुषों की वास्तविक पूजा है। स्वतंत्रता सेनानी एचएस दोरेस्वामी ने यह बात कही।

उन्होंने गांधी भवन सभागार में सोमवार को कर्नाटक गांधी स्मारक निधि, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, युवा एवं खेल सबलीकरण विभाग, कर्नाटक मद्यपान संयम नियंत्रण निगम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित गांधी-शास्त्री जयंती समारोह में कहा कि महापुरुषों के केवल फोटो रखकर पूजा करने से कुछ हासिल नहीं होगा। जब हम महापुरुषों की विचारधारा को जीवन में उतारेंगे तभी सकारात्मक परिवर्तन होगा। कथनी और करनी में कोई फर्क नहीं हो, तभी लोग हम पर भरोसा करेंगे।

ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री एच.के.पाटिल ने कहा कि सरकार महात्मा गांधी के आत्मनिर्भर गांव के सपने को साकार करने के लिए देहातों पर केंद्रित कई कार्यक्रम चला रही है। महात्मा गांधी ने सफाई को महत्व दिया था। सभी ग्राम पंचायतों में सफाई अभियान के तहत शौचालयों का निर्माण कर खुले शौच से मुक्ति दिलाई जा रही है। इसके अलावा 8 हजार से अधिक गांवो में शुद्ध पेयजल आपूर्ति केंद्र स्थापित किए गए है।

उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी की विचारधारा युवाओं तक पहुंचाने के लिए कर्नाटक गांधी स्मारक निधि की ओर से प्रस्तावित 10 करोड़ लागत की ई-म्युजियम योजना को सरकार पूरी सहायता देगी। यह राशि जारी करने के लिए वे शीघ्र ही मुख्यमंत्री से अनुरोध करेंगे। राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में शीघ्र ही गांधी भवन का निर्माण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि अगले वर्ष महात्मा गांधी तथा कस्तूरबा गांधी की 150 वीं जयंती पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से 150 पुस्तकों का विमोचन किया जाएगा। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार पाटिल पुट्टप्पा, कर्नाटक गांधी स्मारक निधि के अध्यक्ष वूडी कृष्णा, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक डॉ पी.एस.हर्षा कर्नाटक मद्यपान संयम निगम के अध्यक्ष रुद्रप्पा उपस्थित थे।